तापमान
अधिकतम 31.9 डिग्री
न्यूनतम 25 .5 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि

रोहतक, रविवार 9 अगस्त 2026

14 महाविद्यालयों में कोर्स फीस 30% तक बढ़ोतरी से विद्यार्थियों को झटका

14 नागरिक अस्पताल पर 5.21 करोड़ खर्च फिजियोथैरेपी कक्ष की छत से टपकपा पिनी

खबर संक्षेप

फायरिंग कर जानलेवा हमला करने वाला काबू

सोनीपत। थाना मुरथल पुलिस ने कैफे में फायरिंग कर जानलेवा हमला करने के मामले में आरोपित अंकुर पुत्र राजेश निवासी गांधी कॉलोनी, समालखा, पानीपत को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। पुलिस के अनुसार जीवन विहार निवासी अनिल ने 2 अगस्त को शिकायत दी थी कि 1 अगस्त की रात सेक्टर-23 निवासी सुमित ने कैफे का पार्टी हॉल बुक किया था। पार्टी समाप्त होने के बाद सुमित अपने पांच साथियों के साथ छत पर बैठकर खाने-पीने लगा। आरोप है कि इसके बाद उन्होंने होटल कर्मचारियों से मारपीट की और एक युवक ने पिस्तौल से गोली चला दी।

ट्रैक्टर चलाकर फसल नष्ट करने का आरोप

गोहाना। एक व्यक्ति ने गांव बिधल के चार लोगों पर उसके खेत में ट्रैक्टर चलाकर फसल नष्ट करने का आरोप लगाया है। दिल्ली के रोहिणी के महिपाल की शिकायत पर केस दर्ज किया गया। महिपाल ने पुलिस को बताया कि न्यायालय के आदेश के अनुसार बीधल गांव में हिस्सेदारों को उनके हिस्से की जमीन पर कब्जा दिलवाया था। इसके बाद उसने अपनी जमीन के ढोले बंधवाने के अलावा निशानदेही के तहत किल्लियां लगवा दी थी। आरोप है कि 12 जुलाई को अनिल व मुकेश ने ढोले व किल्लियों को हटाने की कोशिश की।

दो लोगों ने ग्रामीण के मकान की दीवार गिराई

गोहाना। गांव माहरा में दो लोगों ने ग्रामीण के मकान की दीवार गिरा दी। ग्रामीण का आरोप है कि उसके पैतृक घर में घुसकर कब्जा करने की कोशिश की। बरोदा थाना में केस दर्ज किया गया। सुरेश कुमार ने पुलिस को बताया कि उसका गांव में पैतृक रिहायशी मकान है। इस मकान में वह परिवार के साथ रहता है। उसने आरोप लगाया कि 31 जुलाई की रात को गांव के संदीप व हरदीप उर्फ रिंकू ने उसके मकान में घुसकर कब्जा करने के लिए दीवार को गिरा दिया। विरोध किया तो आरोपितों ने जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने जांच के बाद केस दर्ज किया।

निगम की हाउस की बैठक में 5 जून को 22 पार्षदों के मुद्दा उठाने के बावजूद अधिकारी सुस्त

सरकार बदले 3 माह बीते, साइन बोर्डों में पूर्व पार्षद संभाल रहे वार्डों की बागडोर

- विभिन्न वार्डों में लाखों रुपये से लगाए गए पुराने साइन बोर्ड अब वार्ड वासियों को कर रहे भ्रमित
- चुनाव के बाद जहां अधिकतर पार्षद बदले, इससे पहले वार्डबंदी में वार्डों की संख्या में भी हो चुका बदलाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

शहर की सरकार बदलने के बावजूद जगह-जगह लगे साइन बोर्डों में अब तक पूर्व पार्षद वार्डों की बागडोर संभाले नजर आ रहे हैं। कॉलोनियों की गलियों से लेकर चौक-चौराहों, सड़कों पर अब तक पूर्व पार्षदों के साइन बोर्ड लगे हुए हैं। हालांकि नगर निगम की हाउस की बैठक में 5 जून को मुद्दा उठने के बाद भी साइन बोर्ड अब तक नहीं हटाए गए हैं। निगम क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में पुराने पार्षदों व जनप्रतिनिधियों के करीब 150 से अधिक साइन बोर्ड लगे हैं। हालांकि कुछ निगम पार्षदों के अब वार्ड भी बदल चुके हैं। ऐसे में लाखों रुपये से लगाए गए पुराने साइन बोर्ड अब वार्ड वासियों को भ्रमित कर रहे हैं।

बता दें कि नगर निगम के पिछले चुनाव के बाद शहर के 20 वार्डों में विभिन्न वार्डों में पूर्व में चयनित पार्षदों के साइन बोर्ड लगाए गए थे। इसके बाद 9 मई को हुए निगम चुनाव से पहले सोनीपत निगम चुनाव को लेकर क्षेत्र में 20 के बजाय 22 वार्ड प्रस्तावित किए गए थे। इन वार्डों में मतदाताओं की संख्या करीब 2.96 लाख आंकी गई है। हालांकि चुनावी प्रक्रिया संपन्न हुए 3 माह का समय बीत चुका है, लेकिन अब भी वार्डों में पूर्व पार्षदों के साइन बोर्ड नजर आ रहे हैं। ऐसे में एक ओर कई वार्डों की संख्या बदल चुकी है, तो दूसरी ओर वार्डों के अधिकतर पार्षद भी बदल चुके हैं। इससे लोगों में भ्रम की स्थिति पैदा हो रही है। उदाहरण के तौर पर देखें, तो मोहन नगर व बाबा कॉलोनी पहले वार्ड संख्या 14 में शामिल थी, लेकिन चुनाव के बाद अब इस क्षेत्र को वार्ड 10 में शामिल किया गया है, लेकिन यहां अब भी पूर्व पार्षद के बोर्ड गलियों में नजर आ रहे हैं। इसी प्रकार से तमाम वार्ड पार्षदों के साइन बोर्ड उनके चौक-चौराहों, सड़कों व गलियों में लगाए गए हैं। अभी तक न तो निगम ने हटाने की जहमत उठाई है, न ही उनमें पूर्व पार्षद लिखना उचित समझा है। हैरानी की बात है कि निगम पार्षदों ने हाउस की बैठक में शहर के करीब 375 मुद्दों के बीच साइन बोर्ड बदलवाने का मुद्दा भी उठाया था, लेकिन निगम अधिकारी अब तक मामले को लेकर गंभीर नजर नहीं आए हैं।

सोनीपत। मोहन नगर की एक गली के बाहर लगा पूर्व पार्षद का साइन बोर्ड।

खास बातें

- कई वार्डों की सीमा और संख्या बदल चुकी है, जिससे लोग भ्रमित हो रहे हैं।
- कुछ पूर्व पार्षदों के वार्ड भी चुनाव के बाद बदल चुके हैं।
- 375 मुद्दों में पुराने साइन बोर्ड बदलवाने का मुद्दा भी शामिल था।
- निगम अधिकारियों की ओर से अब तक बोर्ड हटाने या अपडेट करने की कार्रवाई नहीं हुई।
- पुराने बोर्ड वार्डवासियों को वर्तमान जनप्रतिनिधियों को लेकर भ्रमित कर रहे हैं।

वार्डबंदी में कैसे हुआ वार्डों का इजाफा

गौरतलब है कि सोनीपत नगर निगम क्षेत्र में 5 साल के समय अंतराल करीब 64 हजार लोगों की आबादी बढ़ चुकी है। सरकारी आकड़ों की बात करें, तो नगर निगम की ओर से 5 साल पहले पूर्व 20 वार्डों में 340919 आबादी दर्शाई गई थी, जबकि वर्तमान में निगम क्षेत्र की जनसंख्या बढ़कर करीब 405275 तक पहुंच गई है। विभिन्न वार्डों के अंतर्गत पिछड़ा वर्ग (ए) की 83000, पिछड़ा वर्ग (बी) की 20953 जनसंख्या आकी गई है, जबकि अनुसूचित जाति वर्ग की 59224 जनसंख्या बढ़ी है। ऐसे में नगर निगम क्षेत्र में वार्डों की संख्या बढ़ाकर 20 से 22 की गई है।

नए में परिवर्तित करने का आश्वासन

नगर निगम ने विभिन्न वार्डों में पूर्व में लगवाए पार्षदों के साइन बोर्ड पर लाखों रुपये की लागत खर्च की है। ऐसे में पार्षदों के साथ बैठक कर निर्णय लिया गया है कि पुराने साइन बोर्ड को जल्द नए पार्षदों के साइन बोर्ड में परिवर्तित करवाया जाएगा। हालांकि जिन वार्डों में वर्तमान समय में वहीं पार्षद कार्यरत हैं, उनके साइन बोर्ड यथास्थिति में रहेंगे। इसके अलावा पुराने साइन बोर्डों पर नए पार्षदों का नाम अंकित करवाने का कार्य जल्द शुरू करवाया जाएगा।
*-**राजीव जैन,** मेयर, नगर निगम, सोनीपत*

समझौते से पीछे हटने पर फायर व सफाई कर्मियों ने खोला मोर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

हरियाणा अग्निशमन विभाग कर्मचारी यूनियन और नगर पालिका कर्मचारी संघ के कर्मचारियों ने सरकार पर 13 मई के समझौते से पीछे हटने का आरोप लगाते हुए राज्यव्यापी हड़ताल के तीसरे दिन प्रदर्शन किया। अध्यक्षता इकाई प्रधान भारत कंडेरा व फायर के जिला प्रधान राजीव खत्री ने की, जबकि मंच संचालन इकाई सचिव राजा भाई ने किया। राज्य वरिष्ठ उपप्रधान राजीव खत्री ने कहा कि 13 मई के समझौते में मानी गई मांगों को लागू कराने के लिए 6, 7 व 8 अगस्त को हड़ताल की गई थी। उन्होंने कहा कि सरकार ने मांगें लागू करने के बजाय जॉब सिक्योरिटी का पत्र जारी कर कर्मचारियों के साथ छल किया है। जॉब सिक्योरिटी नियमित सरकारी नौकरी का विकल्प नहीं हो सकती। जिला प्रधान राजा भाई ने कहा कि पे-रोल फायरमैन व चालकों को नियमित करने, पांच वर्षों के वेतन वृद्धि एरियर, एचकेआरएनएल कर्मचारियों की रोजगार सुरक्षा, पांच हजार रुपये जोखिम भत्ता, 7500 रुपये वर्दी भत्ता और फरीदाबाद अग्निकांड में शहीद कर्मचारियों के आश्रितों को 50-50 लाख रुपये सहायता सहित कई मांगों पर सहमति बनी थी।

सर्व कर्मचारी संघ ने किया हड़ताल का समर्थन

गोहाना। शनिवार को बिजली निगम के कर्मचारियों का धरना शहरी कार्यालय में तीसरे दिन भी जारी रहा। धरने की अध्यक्षता यूनिट सचिव सोहन शर्मा व संचालन अमित मलिक ने किया। बिजली कर्मचारी एग्री डिस्कॉम, स्मार्ट मीटर व निजीकरण के विरोध में धरने पर बैठे हैं। कर्मचारियों को संबोधित करते हुए नितेश शर्मा व प्रदीप नरवाल ने कहा कि धरना लगातार 6 दिनों से चला हुआ है, लेकिन सरकार कर्मचारियों की मांगे मानने को तैयार नहीं है। अब कर्मचारियों ने भी 11 से 13 अगस्त को होने वाली हड़ताल के लिए अपनी कमर कस ली है। सर्व कर्मचारी संघ गोहाना इकाई के अध्यक्ष सुरेश यादव ने धरने का समर्थन किया। उन्होंने धरने को संबोधित करते हुए कहा कि यदि सरकार हताली कर्मचारियों के साथ दमन की नीति अपनाती है तो सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा बिजली कर्मचारियों के साथ पहली पंक्ति में खड़ा होगा और इस लड़ाई को और तेज कर देगा।

कांवड़ जत्था रोका, पुलिस कार्रवाई पर भड़के चालक

- संसद में जलाभिषेक के लिए जा रहे ड्राइवर कांवड़ियों का जत्था गन्नौर में रोका

गन्नौर। हरिद्वार से गंगाजल लेकर संसद में जलाभिषेक के लिए दिल्ली जा रहे वाहन चालकों के एक कांवड़ जत्थे को शनिवार को गन्नौर पुलिस ने रोक लिया। इसके बाद कांवड़ियों ने प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताते हुए प्रदर्शन किया। जत्थे से जुड़े लोगों का कहना है कि वे शांतिपूर्वक तरीके से अपनी मांगों का ज्ञापन सरकार तक पहुंचाना चाहते थे। राजस्थान से आए कांवड़ए सुरेंद्र और नेपाल सिंह ने बताया कि यह यात्रा देशभर के वाहन चालकों की समस्याओं को सरकार के संज्ञान में लाने के उद्देश्य से निकाली गई है। उनका कहना है कि चालक वर्ग पुलिस, आरटीओ कार्रवाई, सड़क दुर्घटनाओं के मामलों और भीड़ हिंसा जैसी घटनाओं के डर के बीच काम करता है तथा उनकी नौकरी भी सुरक्षित नहीं रहती। कांवड़ियों ने आरोप लगाया कि पुलिस ने उन्हें बीच रास्ते में रोककर उनके मोबाइल और खाने-पीने के सामान से भरे वाहन को भी अपने कब्जे में ले लिया।

गन्नौर। पुलिस द्वारा रोका गया वाहन चालकों का कांवड़ जत्था।

आजाद दांगी राष्ट्र वैदिक परमार्थ ट्रस्ट के प्रेस सचिव नियुक्त

गोहाना। शहर में पानीपत मार्ग पर राष्ट्रीय वैदिक परमार्थ ट्रस्ट द्वारा संचालित लावारिस पीड़ित गो माता गोशाला में शनिवार को ट्रस्ट कार्यकारिणी की बैठक हुई। बैठक में विचारविमर्श के बाद कार्यकारिणी का विस्तार किया गया। इस विस्तार में आजाद हिंद देशभक्त मोर्चा के मुख्य संरक्षक आजाद सिंह दांगी को ट्रस्ट के प्रेस सचिव नियुक्त किया गया। ट्रस्ट के सदस्यों की सहमति से नई नियुक्ति राष्ट्रीय अध्यक्ष रामेश्वर दास सैनी ने की। ट्रस्ट के प्रतिनिधियों ने नवनियुक्त प्रेस सचिव का फूल मालाओं से स्वागत किया गया। आजाद सिंह दांगी ने कहा सनातन धर्म में गाय को माता का दर्जा दिया गया है। गो सेवा को सबसे बड़ा धार्मिक और परोपकारी कार्य माना जाता है। इस गोशाला में सडक़ों पर घूमने और चोट खाने वाली गायों और बीमार गायों का इलाज करके उनके अच्छे से देखभाल की जाती है। इस गोशाला में गायों की सेवा का मौका मिलना उनका सौभाग्य है। इस मौके पर ट्रस्ट के महासचिव ठेकेदार भूपेंद्र प्रजापति, कोषाध्यक्ष अशोक आर्य, सदस्य राजेंद्र जांगड़ा, बलराज मोर, पंडित विजेंद्र आर्य, सोना देवी व आर्य सुशील भनवाला मौजूद रहे।

गोहाना। नवनियुक्त प्रेस सचिव आजाद सिंह दांगी का स्वागत करते हुए ट्रस्ट के प्रतिनिधि।

27 साल से फरार 25 हजार का इनामी हत्या का आरोपित काबू

- 1999 में बक्से में शव डालकर रजबाहे में फेंकने की वारदात में था संलिप्त, न्यायालय ने सात दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

हरियाणा पुलिस ने हत्या के करीब 27 साल पुराने मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए लंबे समय से फरार चल रहे 25 हजार रुपये के इनामी आरोपित शाह गुलशन उर्फ गुलाब चंद पुत्र भागवत शाह निवासी सूरत, गुजरात को गिरफ्तार किया है। आरोपित वर्ष 1999 में थाना मोहाना क्षेत्र में हुई हत्या की वारदात में संलिप्त था। पुलिस महानिदेशक, क्राइम हरियाणा की ओर से उसकी गिरफ्तारी के लिए वर्ष 2020 में 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। एसटीएफ बहादुरगढ़ की टीम ने लगातार प्रयास करते हुए आरोपित को गिरफ्तार किया। इसके बाद थाना मोहाना की अनुसंधान टीम में नियुक्त सहायक उप निरीक्षक रुपेन्द्र ने कार्रवाई को आगे बढ़ाया। पुलिस के अनुसार 17 नवंबर 1999 को गांव सलारपुर माजरा निवासी मुन्शी ने थाना मोहाना में शिकायत दी थी। उसने बताया था कि 16 नवंबर की शाम करीब 5:30 बजे वह गांव सलारपुर माजरा के रजबाहे की पटड़ी पर घूमने गया था। गांव निवासी विरेन्द्र पुत्र कर्म सिंह के किले के सामने पहुंचने पर उसे रजबाहे में पानी कम होने के कारण एक बक्सा पड़ा दिखाई दिया। बक्से के पास जाने पर काफी दुर्गंध आ रही थी। बक्से पर ताला लगा था और उसका एक हिस्सा टूटा हुआ था। टूटे हिस्से से देखने पर अंदर एक व्यक्ति का शव दिखाई दिया। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया था कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने हत्या करने के बाद शव को बक्से में बंद किया और उसे रजबाहे में फेंक दिया। सूचना मिलने के बाद थाना मोहाना पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

बाजार डगमगाए तो निवेश नहीं, रणनीति को बदलें

टेलीग्राम और इंस्टाग्राम चैनल्स पर बताए गए टिप्स से बचके रहें

●

ये करवा सकते हैं बड़े नुकसान, अपनी समझ से करें निवेश

● 10 हजार की मासिक एसआईपी से बनाएं संतुलित पोर्टफोलियो ● गिरावट में घबराकर बेचने के बजाय किस्तों में बढ़ाएं निवेश ● इक्विटी के साथ डेट और गोल्ड का संतुलन रखना भी जरूरी

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में जब तेजी होती है तो निवेशक ज्यादा कमाने की उम्मीद में पैसा बढ़ा देते हैं और गिरावट आते ही नुकसान के डर से निवेश रोकने या शेयर बेचने लगते हैं। यही गलती लंबे समय में रिटर्न पर सबसे ज्यादा असर डालती है। बाजार में उतार-चढ़ाव हमेशा रहेगा, लेकिन निवेशक की रणनीति उसके वित्तीय लक्ष्य, समय अवधि और जोखिम उठाने की क्षमता के हिसाब से तय होनी चाहिए। ऐसे दौर में सबसे जरूरी है कि बाजार की हर हलचल पर फैसला लेने के बजाय एक संतुलित पोर्टफोलियो बनाया जाए और निवेश को अनुशासन के साथ जारी रखा जाए। विशेषज्ञों के मुताबिक लंबी अवधि के निवेशक के लिए बाजार की हर गिरावट खतरा नहीं होती। कई बार यही गिरावट अच्छी कंपनियों और इक्विटी फंड में अपेक्षाकृत बेहतर कीमत पर निवेश का मौका भी देती है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि गिरते बाजार में बिना सोचे-समझे पूरी रकम लगा दी जाए। चरणबद्ध निवेश, एसआईपी और सही एसेट एलोकेशन इस समय ज्यादा उपयोगी रणनीति हो सकती है।

बाजार गिरने पर ये 5 काम न करें

- **1. घबराकर सारे शेयर न बेचें** : लंबी अवधि के निवेश को छोटी अवधि की गिरावट के आधार पर खत्म न करें।
- **2. एसआईपी बंद न करें** : सिर्फ बाजार गिरने के कारण नियमित निवेश रोकना जरूरी नहीं।
- **3. कर्ज लेकर निवेश न करें** : शेयर बाजार में रिटर्न निश्चित नहीं है, लेकिन कर्ज की लागत निश्चित होती है।
- **4. सोशल मीडिया की टिप पर पैसा न लगाएं** : किसी शेयर या फंड में निवेश से पहले उसकी पूरी जानकारी लें।
- **5. एक ही फंड पर निर्भर न रहें** : जरूरत और जोखिम क्षमता के अनुसार पोर्टफोलियो में विविधता रखें।

ऐसे समझें गणित

- अगर कोई निवेशक 10,000 हर महीने 10 साल तक निवेश करता है तो उसकी कुल जमा राशि 12 लाख होगी।

मान लें औसत वार्षिक रिटर्न

- 8% रहा तो करीब 18.3 लाख
- 10% रहा तो करीब 20.7 लाख
- 12% रहा तो करीब 23.2 लाख
- 15% रहा तो करीब 27.9 लाख
- यह केवल अनुमानित उदाहरण हैं। म्यूचुअल फंड और शेयर बाजार में रिटर्न निश्चित नहीं होता और वास्तविक परिणाम बाजार के प्रदर्शन पर निर्भर करेंगे।

किस लक्ष्य के लिए कितना जोखिम

- 1-3 साल : इक्विटी में सीमित निवेश, सुरक्षित और कम उतार-चढ़ाव वाले विकल्पों को प्राथमिकता।
- 3-5 साल : हाइब्रिड और डेट के साथ सीमित इक्विटी पर विचार।
- 7-10 साल: जोखिम क्षमता के अनुसार इक्विटी का हिस्सा बढ़ाया जा सकता है।
- 10 साल से ज्यादा : लंबी अवधि के लक्ष्य में इक्विटी आधारित निवेश महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, लेकिन पोर्टफोलियो में विविधता बनाए रखना जरूरी है।

समय दें, समय न साधें

शेयर बाजार में कब तेजी आएगी और कब गिरावट, इसका अनुमान लगाना मुश्किल है। लेकिन निवेशक यह जरूर तय कर सकता है कि वह कितना जोखिम ले सकता है, कितने समय के लिए निवेश करेगा और गिरावट आने पर क्या रणनीति अपनाएगा। इसलिए बाजार की चाल पकड़ने के बजाय समय को निवेश में देना ज्यादा महत्वपूर्ण है। नियमित एसआईपी, विविध पोर्टफोलियो और समय-समय पर समीक्षा लंबे समय में निवेश को मजबूत आधार दे सकती है।

ऐसे बनाएं पोर्टफोलियो

मान लीजिए किसी निवेशक के पास हर महीने 10,000 रुपये निवेश करने की क्षमता है और उसका लक्ष्य कम से कम 7-10 साल का है। वह अपनी जोखिम क्षमता के अनुसार राशि को अलग-अलग हिस्सों में बांट सकता है।

मध्यम जोखिम वालों के लिए उदाहरण

- 5,000 इक्विटी/फ्लेक्सी-कैप फंड में
- 2,000 लार्ज एंड मिडकैप या इंडेक्स फंड में
- 2,000 डेट/हाइब्रिड फंड में
- 1,000 गोल्ड आधारित निवेश में
- यह केवल उदाहरण है। वास्तविक आवंटन निवेशक की उम्र, आय, मौजूदा निवेश, लक्ष्य और जोखिम क्षमता के आधार पर अलग हो सकता है।

गिरावट आए तो एसआईपी बंद न करें

बाजार में गिरावट आते ही एसआईपी बंद करना आम निवेशक की बड़ी भूल हो सकती है। एसआईपी का फायदा ही यह है कि बाजार के अलग-अलग स्तरों पर निवेश होता रहता है। बाजार नीचे आने पर उसी राशि में ज्यादा यूनिट मिल सकती हैं और बाजार ऊपर जाने पर उनका मूल्य बढ़ सकता है। हालांकि, जिस पैसे की जरूरत अगले एक-दो साल में पड़नी है, उसे केवल इक्विटी में लगाना उचित नहीं माना जाता। बच्चों की फीस, घर खरीदने की डाउन पेमेंट या किसी अन्य नजदीकी लक्ष्य के लिए अलग सुरक्षित फंड रखना चाहिए।

पूरा पोर्टफोलियो एक ही एसेट में न लगाएं

सिर्फ शेयर बाजार में निवेश करने से तेजी के दौर में रिटर्न आकर्षक दिखाई दे सकता है, लेकिन बड़ी गिरावट में पूरा पोर्टफोलियो प्रभावित हो सकता है। दूसरी तरफ, सिर्फ सुरक्षित साधनों में पैसा रखने से लंबी अवधि में महंगाई को मात देना मुश्किल हो सकता है। इसलिए इक्विटी, डेट और गोल्ड जैसे अलग-अलग एसेट में संतुलन बनाना जरूरी है। यही कारण है कि मध्यम जोखिम वाले निवेशक हाइब्रिड फंड और मल्टी-एसेट फंड पर भी विचार कर सकते हैं। इनमें अलग-अलग एसेट क्लास में निवेश करके पोर्टफोलियो में विविधता लाने की कोशिश की जाती है।

बाजार महंगा लगे तो क्या करें

जब बाजार लगातार ऊपर जा रहा हो तो एकमुश्त बड़ी रकम लगाने से बचना समझदारी हो सकती है। नियमित एसआईपी जारी रखना और अतिरिक्त रकम को चरणबद्ध तरीके से लगाना जोखिम को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है। वहीं, बाजार में अच्छी-खासी गिरावट आने पर मजबूत कंपनियों या उपयुक्त इक्विटी फंड में अतिरिक्त निवेश का अवसर मिल सकता है, लेकिन गिरावट कितनी होगी और बाजार कब नीचे आएगा, इसका सटीक अनुमान लगाना मुश्किल है। इसलिए 'सही समय' का इंतजार करने के बजाय चरणबद्ध निवेश ज्यादा व्यावहारिक रणनीति हो सकती है।

कमाई का इंजन बन सकती है इक्विटी

इक्विटी में उतार-चढ़ाव सबसे ज्यादा होता है, लेकिन लंबी अवधि में पूंजी बढ़ाने की क्षमता भी अधिक हो सकती है। इसलिए 7-10 साल या उससे अधिक का लक्ष्य रखने वाले निवेशक अपने पोर्टफोलियो में इक्विटी को जगह दे सकते हैं। हालांकि, फंड चुनते समय केवल पिछले एक साल का रिटर्न देखकर फैसला नहीं करना चाहिए। फंड का लंबा ट्रैक रिकॉर्ड, खर्च, पोर्टफोलियो की गुणवत्ता, फंड मैनेजर की रणनीति और निवेशक की जोखिम क्षमता जैसे पहलुओं को देखना जरूरी है।

पुराना क्रेडिट कार्ड बंद करने से घट सकता है सिबिल

● पुराना कार्ड बंद करने पर क्रेडिट हिस्ट्री व क्रेडिट यूटिलाइजेशन पर असर

● सेविंग या करंट अकाउंट बंद करने का सिबिल पर सीधा प्रभाव नहीं

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

कई लोगों के पास समय के साथ एक से ज्यादा बैंक खाते और क्रेडिट कार्ड हो जाते हैं। इनमें से कुछ का इस्तेमाल लंबे समय से नहीं किया जा रहा होता है। ऐसे में अतिरिक्त खाते या कार्ड बंद करना स्वाभाविक फैसला लगता है। लेकिन अगर आप पुराना क्रेडिट कार्ड बंद करने जा रहे हैं तो पहले यह समझना जरूरी है कि इसका आपके सिबिल स्कोर और भविष्य में लोन लेने की क्षमता पर क्या असर पड़ सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक बैंक का सेविंग या करंट अकाउंट बंद करने से सिबिल स्कोर पर सीधा असर नहीं पड़ता, क्योंकि ये खाते सामान्य तौर पर क्रेडिट ब्यूरो की क्रेडिट रिपोर्ट का हिस्सा नहीं होते। वहीं, पुराने क्रेडिट कार्ड को बंद करने से आपके क्रेडिट प्रोफाइल में बदलाव आ सकता है। इसका असर हर व्यक्ति पर अलग हो सकता है और यह उसके कुल क्रेडिट इतिहास, बकाया राशि और उपलब्ध क्रेडिट लिमिट पर निर्भर करता है।

क्यों बदल सकता है स्कोर

बाजार के जानकारों के अनुसार, क्रेडिट कार्ड बंद करने का एक प्रमुख असर कुल उपलब्ध क्रेडिट लिमिट पर पड़ता है। उदाहरण के लिए, अगर किसी व्यक्ति के सभी कार्डों की कुल क्रेडिट लिमिट 3 लाख रुपये है और उस पर 60 हजार रुपये बकाया है, तो क्रेडिट यूटिलाइजेशन रेशियो 20 प्रतिशत होगा। अगर वह 1 लाख रुपये लिमिट वाला एक कार्ड बंद कर देता है तो कुल उपलब्ध लिमिट घटकर 2 लाख रुपये रह जाएगी। वहीं बकाया 60 हजार रुपये ही रहने पर क्रेडिट यूटिलाइजेशन बढ़कर 30 प्रतिशत हो जाएगा। उपलब्ध क्रेडिट की तुलना में ज्यादा इस्तेमाल होना क्रेडिट प्रोफाइल के लिए कम अनुकूल माना जा सकता है।

सबसे पुराना कार्ड बंद करने से बचें

क्रेडिट स्कोर को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारकों में भुगतान का रिकॉर्ड, क्रेडिट यूटिलाइजेशन, क्रेडिट हिस्ट्री की अवधि, क्रेडिट मिक्स और हाल की क्रेडिट पूछताछ शामिल हैं। लंबे समय से सही तरीके से संचालित क्रेडिट अकाउंट आपके क्रेडिट व्यवहार का लंबा रिकॉर्ड उपलब्ध कराते हैं। इसलिए अगर कोई क्रेडिट कार्ड कई वर्षों से चल रहा है और उस पर समय पर भुगतान होता रहा है, तो उसे सिर्फ इसलिए बंद करना उचित नहीं हो सकता कि उसका इस्तेमाल कम हो रहा है। खासकर ऐसा कार्ड जिस पर वार्षिक शुल्क नहीं है, उसे सीमित और जिम्मेदार इस्तेमाल के साथ सक्रिय रखना क्रेडिट हिस्ट्री बनाए रखने में मदद कर सकता है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि हर पुराना कार्ड हमेशा बनाए रखना जरूरी है। अगर कार्ड पर ज्यादा वार्षिक शुल्क है, उसकी जरूरत नहीं है या उसे संभालना मुश्किल हो रहा है तो बंद करने का फैसला किया जा सकता है। बस इससे पहले इसके संभावित प्रभाव को समझ लेना चाहिए।

बैंक खाता बंद करने से सिबिल पर सीधा असर नहीं

सेविंग या करंट अकाउंट बंद करने से आमतौर पर सिबिल स्कोर पर सीधा असर नहीं पड़ता। लेकिन यहां एक सावधानी जरूरी है। अगर इसी खाते से किसी लोन की ईएमआई, क्रेडिट कार्ड बिल या दूसरी नियमित भुगतान व्यवस्था जुड़ी है और खाता बंद कर दिया गया तो भुगतान छूट सकता है। एक ईएमआई या क्रेडिट कार्ड भुगतान में देरी आपके क्रेडिट प्रोफाइल को नुकसान पहुंचा सकती है। इसलिए बैंक खाता बंद करने से पहले सभी ऑटो-डेबिट, ईएमआई और स्टैंडिंग इंस्ट्रक्शन को नए सक्रिय खाते में ट्रांसफर करना जरूरी है।

कितने क्रेडिट कार्ड रखना सही?

क्रेडिट कार्ड की कोई निश्चित संख्या ऐसी नहीं है, जिसे हर व्यक्ति के लिए आदर्श माना जाए। असली बात यह है कि व्यक्ति अपने कार्डों को कितनी जिम्मेदारी से संभालता है। चार-पांच कार्ड रखने वाला व्यक्ति भी अच्छा क्रेडिट प्रोफाइल बनाए रख सकता है, अगर वह समय पर पूरा भुगतान करता है और अपनी क्रेडिट लिमिट का नियंत्रित इस्तेमाल करता है। वहीं कम कार्ड रखने वाला व्यक्ति भी खराब स्कोर बना सकता है, अगर भुगतान में लगातार देरी होती है। इसलिए कार्डों की संख्या से ज्यादा महत्वपूर्ण है समय पर भुगतान, कम क्रेडिट उपयोग और लंबे समय तक जिम्मेदार क्रेडिट व्यवहार।

कार्ड बंद करने से पहले करें ये काम

- **1. सभी बकाया चुकाएं** : कार्ड बंद करने से पहले कोई बकाया राशि या शुल्क लंबित न रहने दें।
- **2. सबसे पुराने कार्ड को तुरंत बंद न करें** : पहले देखें कि वह आपकी क्रेडिट हिस्ट्री में कितना योगदान दे रहा है।
- **3. क्रेडिट लिमिट का हिसाब लगाएं** : कार्ड बंद करने के बाद आपकी कुल उपलब्ध लिमिट कितनी बचेगी, यह जरूर देखें।
- **4. ऑटो पेमेंट बदलें** : बैंक खाता बंद करने से पहले ईएमआई और क्रेडिट कार्ड के ऑटो-डेबिट को दूसरे खाते से जोड़ें।
- **5. क्लोजर की पुष्टि लें** : कार्ड बंद होने के बाद बैंक से क्लोजर की पुष्टि और जरूरी दस्तावेज सुरक्षित रखें।

यह भी रखें ध्यान

पुराना कार्ड बंद करना सिबिल स्कोर निश्चित रूप से कम होना नहीं है। असर आपके पूरे क्रेडिट प्रोफाइल पर निर्भर करता है। वहीं सामान्य सेविंग या करंट अकाउंट बंद करने का सिबिल स्कोर पर सीधा असर नहीं पड़ता। सबसे महत्वपूर्ण है कि आपके लोन और क्रेडिट कार्ड की ईएमआई/बिल समय पर चुकते रहें।

होम लोन की प्रीपेमेंट करें या निवेश? जानिये क्या है आपके लिए बेहतर

अतिरिक्त पैसा मिले तो कर्ज जल्दी चुकाएं या निवेश कर पैसा बढ़ाएं

फैसला लेने से पहले ब्याज, रिटर्न, जोखिम और इमरजेंसी फंड का करें आकलन

बिजनेस डेस्क
जानकारी

अपना घर खरीदने के लिए लिया गया होम लोन ज्यादातर लोगों की जिंदगी का सबसे बड़ा और लंबी अवधि वाला कर्ज होता है। 15, 20 या 25 साल की अवधि में चुकाए जाने वाले इस लोन में ब्याज की रकम भी काफी बड़ी हो सकती है। ऐसे में जब बोनस, एरियर, निवेश से पैसा या कोई अन्य अतिरिक्त रकम हाथ में आती है तो लोगों के सामने बड़ा सवाल होता है कि इस पैसे का इस्तेमाल होम लोन की प्रीपेमेंट में किया जाए या उसे निवेश कर भविष्य के लिए संपत्ति बनाई जाए। लोन की प्रीपेमेंट करने से ब्याज का बोझ कम होता है और कर्ज जल्दी खत्म हो सकता है। दूसरी ओर, सही निवेश लंबे समय में रकम को बढ़ाने में मदद कर सकता है। इसलिए हर व्यक्ति के लिए एक ही विकल्प सही नहीं हो सकता। फैसला लेते समय तीन महत्वपूर्ण बातों को समझना जरूरी है।

होम लोन के शुरुआती सालों में प्रीपेमेंट का फायदा ज्यादा

होम लोन की ईएमआई दो हिस्सों में बंटी होती है मूलधन और ब्याज। लोन की शुरुआत में ईएमआई का बड़ा हिस्सा ब्याज चुकाने में चला जाता है, जबकि मूलधन अपेक्षाकृत कम घटता है। जैसे-जैसे लोन की अवधि आगे बढ़ती है, ब्याज का हिस्सा कम और मूलधन का हिस्सा बढ़ता जाता है। यही वजह है कि अगर आपके पास लोन लेने के शुरुआती वर्षों में अतिरिक्त पैसा आता है तो प्रीपेमेंट करना ज्यादा फायदेमंद हो सकता है। मान लीजिए आपने 20 साल के लिए होम लोन लिया है और पांचवें साल में आपके पास एकमुश्त रकम आती है। अगर आप उसका कुछ हिस्सा मूलधन में जमा कर देते हैं तो बकाया लोन घट जाएगा। इसके बाद लगने वाला ब्याज भी कम हो जाएगा। प्रीपेमेंट का एक बड़ा फायदा यह है कि आपको भविष्य में बचने वाले ब्याज का फायदा लगभग निश्चित रूप से मिलता है। यानी अगर आपके होम लोन की ब्याज दर 8 फीसदी है तो मूलधन कम करने पर भविष्य के 8 फीसदी के आसपास के ब्याज खर्च से बचने का प्रभाव मिलता है, हालांकि वास्तविक बचत लोन की संरचना और समय पर निर्भर करेगी।

निवेश के संभावित रिटर्न की तुलना लोन की ब्याज दर से करें

कई लोग मानते हैं कि अगर निवेश से होम लोन की ब्याज दर से ज्यादा रिटर्न मिल सकता है तो प्रीपेमेंट करने के बजाय निवेश करना बेहतर है। यह सोच कुछ परिस्थितियों में सही हो सकती है, लेकिन इसे सीधे-सीधे लागू नहीं किया जा सकता। होम लोन की ब्याज दर आपकी निश्चित लागत है, जबकि निवेश का रिटर्न निश्चित नहीं होता। उदाहरण के लिए इक्विटी म्यूचुअल फंड और शेयर बाजार में लंबी अवधि में अच्छे रिटर्न की संभावना रहती है, लेकिन बाजार में उतार-चढ़ाव भी होता है। किसी एक साल या छोटी अवधि में रिटर्न कम भी हो सकता है। इसलिए निवेश और प्रीपेमेंट के बीच फैसला करते समय सिर्फ अनुमानित रिटर्न नहीं देखें। निवेश पर लगने वाले टैक्स, जोखिम, निवेश की अवधि और आपके लक्ष्य को भी ध्यान में रखें। अगर आप बाजार के जोखिम को सहन कर सकते हैं, निवेश की अवधि 7-10 साल या उससे अधिक है और आपके पास नियमित आय है तो निवेश को प्राथमिकता देने का विकल्प हो सकता है।

इमरजेंसी फंड के बिना प्रीपेमेंट न करें

अतिरिक्त पैसा आते ही होम लोन में जमा कर देना हमेशा समझदारी नहीं है। सबसे पहले यह देखना चाहिए कि आपके पास पर्याप्त इमरजेंसी फंड है या नहीं। अचानक नौकरी जाने, स्वास्थ्य संबंधी खर्च, परिवार की जरूरत या किसी अन्य आपात स्थिति में नकदी की जरूरत पड़ सकती है। अगर आपने अपनी पूरी अतिरिक्त बचत होम लोन में डाल दी और बाद में अचानक पैसे की जरूरत पड़ गई तो आपको महंगे पर्सनल लोन या क्रेडिट कार्ड का सहारा लेना पड़ सकता है। इसलिए पहले कम से कम 6 से 12 महीने के जरूरी घरेलू खर्च के बराबर इमरजेंसी फंड तैयार रखना बेहतर है। इसके बाद बची रकम को प्रीपेमेंट और निवेश के बीच बांटने पर विचार किया जा सकता है।

कितना पैसा प्रीपेमेंट में लगाएं?

मान लीजिए किसी व्यक्ति के पास 5 लाख रुपये की अतिरिक्त रकम है। अगर उसका होम लोन शुरुआती दौर में है और ब्याज दर ज्यादा है, तो वह रकम का बड़ा हिस्सा प्रीपेमेंट में लगाने पर विचार कर सकता है। लेकिन अगर लोन काफी पुराना है, इमरजेंसी फंड तैयार है और निवेश की अवधि लंबी है तो कुछ रकम म्यूचुअल फंड जैसे दीर्घकालिक निवेश विकल्पों में लगाई जा सकती है। एक तीसरा रास्ता भी है पैसे को पूरी तरह एक ही जगह लगाने के बजाय बांट देना। उदाहरण के लिए 5 लाख रुपये में से कुछ रकम होम लोन की प्रीपेमेंट में और बाकी रकम लंबी अवधि के निवेश में लगाई जा सकती है। इससे कर्ज का बोझ भी घटेगा और भविष्य के लिए निवेश भी बना रहेगा।

फैसला आपकी वित्तीय स्थिति पर निर्भर

होम लोन की प्रीपेमेंट और निवेश में से कौन सा विकल्प बेहतर है, इसका कोई सार्वभौमिक जवाब नहीं है। अगर लोन नया है, ब्याज का बोझ ज्यादा है और आप कर्ज जल्दी खत्म करना चाहते हैं तो प्रीपेमेंट को प्राथमिकता दी जा सकती है। अगर लोन के अंतिम वर्षों में हैं, पर्याप्त इमरजेंसी फंड मौजूद है और आपकी निवेश अवधि लंबी है तो निवेश पर विचार किया जा सकता है। सबसे जरूरी बात यह है कि फैसला लेने से पहले लोन की ब्याज दर, बची हुई अवधि, प्रीपेमेंट के बाद ब्याज बचत, निवेश का जोखिम, संभावित रिटर्न और अपनी नकदी जरूरत का आकलन करें। भावनाओं के बजाय आंकड़ों के आधार पर लिया गया फैसला आपकी कुल वित्तीय स्थिति के लिए ज्यादा बेहतर साबित हो सकता है।

म्यूचुअल फंड में कैटेगरी से ज्यादा जरूरी सही फंड का चुनाव करना

एक ही कैटेगरी की स्कीमों के रिटर्न में बड़ा अंतर

स्मॉल-कैप में करीब 32 प्रतिशत अंक का फासला

विशेषज्ञ बोले- एक-दो साल के प्रदर्शन पर न जाएं

3 से 5 साल का नजरिया रखें, तभी बेहतर रिटर्न

सुझाव
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में निवेश करते समय केवल सही कैटेगरी चुन लेना ही पर्याप्त नहीं है। एक ही कैटेगरी में शामिल अलग-अलग स्कीमों के प्रदर्शन में बड़ा अंतर देखने को मिल सकता है। पिछले एक साल के प्रदर्शन से यह अंतर और स्पष्ट हुआ है। फ्लेक्सी-कैप और स्मॉल-कैप जैसी कैटेगरी में कुछ फंडों ने जहां निवेशकों को बेहतर रिटर्न दिया, वहीं कुछ स्कीमों का प्रदर्शन कमजोर रहा। ऐसे में विशेषज्ञों का कहना है कि निवेशक को केवल कैटेगरी या पिछले एक साल के रिटर्न के आधार पर फंड का चुनाव नहीं करना चाहिए। फंड मैनेजर की निवेश रणनीति, पोर्टफोलियो की गुणवत्ता, रिसर्च टीम और अलग-अलग बाजार परिस्थितियों में प्रदर्शन को भी देखना जरूरी है।

फ्लेक्सी-कैप में भी दिखा बड़ा अंतर

फ्लेक्सी-कैप फंडों के प्रदर्शन में पिछले एक साल में उल्लेखनीय अंतर रहा। इस कैटेगरी में सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाली स्कीम ने करीब 12.29 प्रतिशत रिटर्न दिया, जबकि कमजोर प्रदर्शन करने वाली स्कीम का रिटर्न करीब 5.75 प्रतिशत निगेटिव रहा। यानी एक ही कैटेगरी के दो फंडों के बीच प्रदर्शन का अंतर काफी बड़ा रहा। इससे साफ है कि केवल यह तय कर लेना कि निवेशक को फ्लेक्सी-कैप फंड में पैसा लगाना है, पर्याप्त नहीं है। उसी कैटेगरी में कौन-सी स्कीम निवेश के लिए बेहतर है, इसका मूल्यांकन भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

स्मॉल-कैप में और ज्यादा अंतर

स्मॉल-कैप कैटेगरी में यह अंतर और अधिक देखने को मिला। ट्रस्ट स्मॉल कैप फंड ने पिछले एक साल में करीब 27.39 प्रतिशत रिटर्न दिया, जबकि टाटा स्मॉल कैप फंड का रिटर्न करीब 5.08 प्रतिशत निगेटिव रहा। दोनों एक ही कैटेगरी के फंड हैं, लेकिन प्रदर्शन में करीब 32 प्रतिशत अंक का अंतर दिखाई दिया। विशेषज्ञों के मुताबिक इस तरह का अंतर बताता है कि फंड की कैटेगरी के साथ-साथ उसके पोर्टफोलियो में शामिल कंपनियों, सेक्टर आवंटन और फंड मैनेजर की रणनीति का प्रदर्शन पर बड़ा असर पड़ता है।

सही शेयर और सेक्टर चुनने वाले फंडों को फायदा

वेल्थ मैनेजर्स के मुताबिक पिछले एक साल में शेयर बाजार के सभी सेक्टरों ने एक जैसा प्रदर्शन नहीं किया। जिन फंड मैनेजरों ने बेहतर प्रदर्शन करने वाली कंपनियों और सेक्टरों की पहचान कर अपने पोर्टफोलियो में उनका उचित वजन रखा, उन्हें फायदा मिला। ट्रस्ट म्यूचुअल फंड के सीईओ संदीप बागला के मुताबिक पिछले एक साल में बाजार ने ऐसे फंड मैनेजरों को पुरस्कृत किया, जिन्होंने सही शेयरों का चुनाव किया। उनके अनुसार डिफेंस, डेटा सेंटर, प्रीमियम कंजम्पशन और सेविंग्स के फाइनेंशियलाइजेशन से जुड़ी कंपनियों में निवेश करने वाले पोर्टफोलियो को अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन का लाभ मिला। इसके विपरीत प्राइवेट बैंक और पारंपरिक आईटी कंपनियों में अधिक निवेश रखने वाले कुछ पोर्टफोलियो अपेक्षाकृत कमजोर रहे। इसका कारण इन सेक्टरों का बाजार में अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन रहा।

केवल पिछले रिटर्न के आधार पर न करें निवेश

विशेषज्ञों का कहना है कि निवेशकों को किसी फंड का चुनाव करते समय केवल पिछले एक या दो साल के रिटर्न को आधार नहीं बनाना चाहिए। किसी एक अवधि में बेहतर प्रदर्शन करने वाला फंड जरूरी नहीं कि आने वाले वर्षों में भी सबसे बेहतर प्रदर्शन करे। निवेशक को यह समझना चाहिए कि फंड मैनेजर किस तरह की निवेश रणनीति अपनाता है। इसके साथ ही अलग-अलग मार्केट साइकिल में फंड का प्रदर्शन कैसा रहा है, पोर्टफोलियो किस तरह तैयार किया गया है और उसमें जोखिम का स्तर कितना है, इसकी भी समीक्षा करनी चाहिए।

रिसर्च टीम और पोर्टफोलियो पर दें ध्यान

फंड चुनते समय निवेशकों को फंड हाउस की रिसर्च क्षमता और टीम की मजबूती पर भी ध्यान देना चाहिए। फंड की निवेश प्रक्रिया कितनी व्यवस्थित है और रिसर्च टीम कंपनियों का किस स्तर पर विश्लेषण करती है, यह लंबे समय में फंड के प्रदर्शन को प्रभावित कर सकता है। इसके अलावा निवेशक को यह भी देखना चाहिए कि फंड का पोर्टफोलियो उसके अपने वित्तीय लक्ष्य और जोखिम उठाने की क्षमता के अनुरूप है या नहीं। ज्यादा रिटर्न की संभावना के साथ ज्यादा जोखिम भी हो सकता है। इसलिए केवल रिटर्न के आंकड़े देखकर निवेश करना उचित नहीं माना जाता।

प्रदर्शन का अंतर

कुछ म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर्स का मानना है कि एक साल में अलग-अलग स्कीमों के प्रदर्शन में दिखाई देने वाला बड़ा अंतर लंबी अवधि में धीरे-धीरे कम हो सकता है। बाजार में अलग-अलग समय पर अलग-अलग सेक्टर और कंपनियां अच्छा प्रदर्शन करती हैं। ऐसे में किसी एक अवधि का प्रदर्शन फंड की पूरी तस्वीर नहीं बताता। क्रेडो कैपिटल के सर्टिफाइड फाइनेंशियल प्लानर के अनुसार फंड मैनेजर की निवेश रणनीति का पूरा असर समय के साथ दिखाई देता है। निवेशकों को बाजार के उतार-चढ़ाव के दौरान जल्दबाजी में फैसला लेने के बजाय लंबी अवधि का नजरिया रखना चाहिए।

3 से 5 साल का नजरिया जरूरी

म्यूचुअल फंड में निवेश करते समय कम से कम 3 से 5 साल का नजरिया रखना बेहतर होता है। खासकर इक्विटी आधारित फंडों में बाजार की अलग-अलग परिस्थितियों का असर पड़ता है। किसी एक साल में कमजोर प्रदर्शन करने वाली स्कीम जरूरी नहीं कि लंबी अवधि में भी खराब प्रदर्शन करे। इसलिए निवेशक को बार-बार फंड बदलने के बजाय उसके प्रदर्शन की निरंतरता, जोखिम, पोर्टफोलियो में बदलाव और फंड मैनेजर की रणनीति की समय-समय पर समीक्षा करनी चाहिए।

डॉ. आशा बोलीं, दूसरे डॉक्टर के कक्ष में आकर हस्तक्षेप करना, वीडियो बनाना गलत

थाने पहुंचा मामला, सिविल सर्जन बोली-मामले की जानकारी नहीं

नागरिक अस्पताल में उप सिविल सर्जनों के बीच आरोप-प्रत्यारोप

डॉ. स्वराज ने कहा मैंने अपनी ड्यूटी को निभाया, निरीक्षण के लिए निर्देश की जरूरत नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

दिल्ली रोड स्थित नागरिक अस्पताल में शनिवार दो महिला उप सिविल सर्जनों के बीच आरोप-प्रत्यारोप के बाद विवाद बढ़ गया। नौबत यहां तक पहुंच गई कि सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद मामला सिविल लाइन थाने तक पहुंच गया। उधर जिला सिविल सर्जन मामले में शाम तक अनजान रहीं। ऐसे में विभागीय स्तर पर भी इस घटनाक्रम को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। आखिरकार किसके निर्देश पर महिला अधिकारी ने दूसरी अधिकारी के कक्ष का निरीक्षण किया। दरअसल मामला एक महिला उप सिविल सर्जन एवं एचकेआरएन इंचार्ज के अस्पताल स्थित दूसरी महिला उप सिविल सर्जन के कक्ष में निरीक्षण से शुरू हुआ। जहां एक एचकेआरएन महिला कर्मी कक्ष की सफाई करती नजर आई, जबकि महिला की लेबर रूम में नियुक्ति की बात कही जा रही है। इसके बाद वीडियो वायरल होने व मामला थाने पहुंचने से विवाद गहराता चला गया।

अस्पताल में कार्यरत उप सिविल सर्जन डॉ. आशा सहरावत ने अपने ही विभाग के दूसरी महिला उप सर्जन एवं एचकेआरएन इंचार्ज डॉ. स्वराज चौधरी के खिलाफ सिविल लाइन थाना प्रभारी को लिखित शिकायत देकर एफआईआर दर्ज करने की मांग की। शिकायत के साथ भेजे गए ई-मेल में डॉ. आशा सहरावत ने आरोप लगाया कि उनके कक्ष में घुसकर वीडियो बनाई गई। वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल करने की बात भी सामने आई है। डॉ. आशा सहरावत ने बताया कि अस्पताल में उप सिविल सर्जन डॉ. स्वराज चौधरी का दूसरे डॉक्टर के कक्ष में आकर हस्तक्षेप करना, वीडियो बनाना गलत है। उन्होंने सिविल सर्जन से निरीक्षण की अनुमति भी नहीं ली है। मामले में सिविल लाइन थाना में शिकायत दी गई है। आगामी क्या कार्रवाई हुई, इस बारे में जानकारी नहीं है। इसके अलावा मेरे कमरे में सफाई कर रही कर्मचारी की ड्यूटी स्वयं प्रबंधन की ओर से लगाई गई है। फिलहाल मैं मेडिकल लीव पर हूं, तबीयत ठीक होने के बाद अस्पताल आकर स्वयं अपना पक्ष रखूंगी।

आरोप : एचकेआरएन कर्मी की ड्यूटी लेबर कक्ष में है, वहीं से जा रही हाजिरी, जबकि कर्मी चिकित्सक के कक्ष की कर रही थी सफाई

सोनीपत। सोनीपत दिल्ली रोड स्थित जिला नागरिक अस्पताल। फोटो : हरिभूमि

जल्द होगा समाधान

नागरिक अस्पताल में उप सिविल सर्जन डॉ. आशा सहरावत के कक्ष का वीडियो वायरल होने और उनकी तरफ से थाने में एफआईआर दर्ज करवाने का मामला संज्ञान में नहीं आया है। न ही मेरी तरफ से उप सिविल सर्जन डॉ. स्वराज चौधरी को किसी प्रकार के निरीक्षण की अनुमति दी गई है। दोनों उप सिविल सर्जनों में क्या विवाद है, जल्द ही मामले का पता लगाकर समाधान करवाने का प्रयास किया जाएगा।

-डॉ. अनुराधा जैन, सिविल सर्जन, सोनीपत

वीडियो में अपमानित करने का प्रयास, व्यक्तिगत रंजिश

डॉ. आशा ने बताया कि उन्हें नागरिक अस्पताल में कमरा नंबर-6 कार्यालय के रूप में आवंटित है। कार्यालय में महत्वपूर्ण सरकारी दस्तावेज व फाइलें रखी रहती हैं, उनकी अनुपस्थिति में किसी अन्य अधिकारी को वहां प्रवेश करने की अनुमति नहीं है। शिकायत के अनुसार 6 अगस्त से वह मेडिकल लीव पर है। आरोप है कि इसी दौरान सुबह करीब 9:35 बजे डॉ. स्वराज चौधरी ने उनके कार्यालय में प्रवेश किया। उनके कार्यालय की वीडियो बनाई गई। वीडियो में उनके कार्यालय की व्यवस्था व सफाई को लेकर सवाल उठाए गए। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों से बिना कागजी प्रक्रिया के सफाई करवाने संबंधी आरोप लगाए गए। उन्होंने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि उनके कमरे में सफाई करने वाली कर्मचारी की ड्यूटी अस्पताल प्रबंधन की ओर से लगाई गई है। डॉ. स्वराज चौधरी उनसे व्यक्तिगत रंजिश रखती हैं। उन्होंने इस घटना को व्यक्तिगत रंजिश से जोड़ते हुए खुद को डराने, धमकाने व अपमानित करने का प्रयास बताया है।

यह हमारा घर नहीं, सरकार ने हमें लोगों की सेवा के लिए दी कुर्सी

वहीं एचकेआरएन इंचार्ज डॉ. स्वराज चौधरी ने बताया कि अस्पताल में एचकेआरएन कर्मचारियों के कार्य को लेकर निरीक्षण करने के लिए सीएमओ से मंजूरी की आवश्यकता नहीं है। मैंने एचकेआरएन इंचार्ज होने के नाते निरीक्षण किया है। इसके अलावा मेरी तरफ से किसी वीडियो को वायरल नहीं किया गया है। जब उप सिविल सर्जन डॉ. आशा बिना सीएमओ मंजूरी के जिले के स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण कर सकती हैं, तो मैंने भी अपनी ड्यूटी को निभाया है। निरीक्षण के दौरान उन्हें एचकेआरएन के तहत कार्यरत स्वीपर महिला कर्मी डॉ. आशा के कमरे में सफाई करती मिली, जबकि उसकी हाजिरी लेबर रूम से जा रही है। उसकी नियुक्ति लेबर रूम में की गई, न कि उप सिविल सर्जन के कक्ष की सफाई करने के लिए की गई है। अगर महिला स्वीपर के पास उप सिविल सर्जन कक्ष में नियुक्ति का पत्र है, तो उन्हें वह दिखाना चाहिए। अस्पताल हमारा घर नहीं है, बल्कि सरकार ने हमें यह कुर्सी लोगों की सेवा करने के लिए दी है। मैंने किसी से मारपीट नहीं की। निरीक्षण करना हमारा फर्ज व कर्तव्य है। अगर हमें निरीक्षण में कोई शिकायत मिलती है, तो उसकी शिकायत उच्च अधिकारियों को करनी चाहिए।

कांवड़ियों के लिए 12वीं मोबाइल डिस्पेंसरी सेवा का शुभारंभ

सोनीपत सब्जी मंडी से मोबाइल डिस्पेंसरी को रवाना करते सामाजिक कार्यकर्ता।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

कांवड़ यात्रा मेले को लेकर शहर के सामाजिक कार्यकर्ताओं ने मिलकर 12वीं मोबाइल डिस्पेंसरी सेवा का शनिवार को शुभारंभ किया। कांवड़ियों के स्वास्थ्य को लेकर लोगों ने सब्जी मंडी से 12वी मोबाइल डिस्पेंसरी सेवा को रवाना किया। उक्त मोबाइल डिस्पेंसरी के माध्यम से सोनीपत से उत्तर प्रदेश के गौरीपुर मोड़ तक कांवड़ ला रहे कांवड़ियों को निशुल्क चिकित्सा सुविधा प्रदान करने के साथ उन्हें दवा वितरण किया जाएगा। इस दौरान जयप्रकाश गौतम, डॉ. संजीव गर्ग, पंडित अमित शौनक, पूर्व पार्षद मुकेश सैनी, हरिप्रकाश सैनी, डॉ. रवि सैनी, पूर्व चेयरमैन राजवीर दहिया, सितेंद्र रोहट, हरदेव पासवान, धर्मवीर राजपुर, कुलविंद्र दहिया, यश, नीतू सैनी, सुमित, गीतांश मौजूद रहे।

सावन मेले में महिलाओं के लिए सजेगा बाजार, वरिष्ठ माताओं का होगा सम्मान

■ अखिल भारतीय महिला अग्रवाल सम्मेलन की जिला इकाई आयोजित करेगी मेला

सोनीपत। अखिल भारतीय महिला अग्रवाल सम्मेलन की जिला सोनीपत इकाई की ओर से 9 अगस्त को शिवा शिक्षा सदन में सावन मेले का आयोजन किया जाएगा। मेले का आयोजन सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक होगा। महिला प्रधान बबीता जिंदल ने बताया कि सावन मेले में वरिष्ठ माताओं को सम्मानित किया जाएगा। मेले में महिलाओं के लिए स्वादिष्ट फास्ट फूड, कृत्रिम आभूषण, रंग-बिरंगी चूड़ियां, सिंगार सामग्री और ठाकुर जी के वस्त्रों की विभिन्न स्टॉल लगाई जाएंगी। इसके अलावा इकाई की ओर से महिलाओं के लिए मनोरंजक खेलों का भी आयोजन किया जाएगा। उन्होंने शहरवासियों से सपरिवार मेले में पहुंचकर आयोजन की शोभा बढ़ाने और सावन मेले का आनंद लेने का आह्वान किया

ब्रिगेडियर ओपी चौधरी के निधन पर सुचित्रा देवी व प्रतीक मुंडाल ने जताया शोक

सोनीपत। ओपी चौधरी को नमन करते हुए इनेलो जिलाध्यक्ष कुणाल गहलावत साथ में सुरेंद्र छिक्कारा एवं अन्य। फोटो : हरिभूमि

सोनीपत। ब्रिगेडियर ओपी चौधरी के अंतिम संस्कार के अवसर पर शनिवार को इनेलो नेता अभय सिंह चौटाला की बड़ी बहन सुचित्रा देवी एवं उनके भांजे प्रतीक मुंडाल शोक प्रकट करने पहुंचे। उन्होंने ब्रिगेडियर ओपी चौधरी के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए उनके पार्थिव शरीर पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस दौरान उन्होंने शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी और ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने तथा परिवार को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। इसके अलावा शहर के गणमान्य लोगों ने ओपी चौधरी को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

फिटर प्रशिक्षक प्रदीप मलिक दूसरी बार राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिए नामांकित

गन्नौर। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) राजलू गढ़ी में फिटर प्रशिक्षक के पद पर सेवाएं दे चुके प्रदीप मलिक को उत्कृष्ट सेवाओं और

तकनीकी शिक्षा में नवाचार के लिए लगातार दूसरी बार राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2026 के लिए नामांकित किया गया है। वर्ष 2025 में भी उनका नाम इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए नामांकित हुआ था। उनके दोबारा नामांकन से संस्थान और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। प्रदीप मलिक पिछले कई वर्षों से युवाओं को तकनीकी रूप से दक्ष बनाने और उन्हें रोजगार के योग्य तैयार करने के लिए कार्य कर रहे हैं। उन्होंने फिटर ट्रेड के पाठ्यक्रम को आधुनिक तकनीकों से जोड़ते हुए विद्यार्थियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण देने पर विशेष जोर दिया। उनके मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त कई विद्यार्थी देश-विदेश की प्रतिष्ठित कंपनियों में कार्यरत हैं। संस्थान के प्रधानाचार्य अशोक कुमार ने प्रदीप मलिक को बधाई देते हुए कहा कि यह नामांकन उनके परिश्रम, अनुशासन और शिक्षा के प्रति समर्पण का परिणाम है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय संस्थान और विद्यार्थियों के सहयोग को दिया।

सेवा कार्यों में सक्रिय भागीदारी बढ़ाने और नए सदस्यों को जोड़ने पर दिया जोर

■ रोटरी क्लब सोनीपत मिडटाउन ने दिया नेतृत्व और सदस्यता विस्तार का संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

रोटरी क्लब ऑफ सोनीपत मिडटाउन की ओर से शुक्रवार को रोटरी सेंटर में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। क्लब अध्यक्ष टीएन विनती एवं पुष्पा विनती, नवनियुक्त परवीन गुप्ता और पीपी डॉ. मनोज भाटला की उपस्थिति में दीप प्रज्वलित किया गया। इस दौरान डीजी अमित गुप्ता का स्वागत किया गया। उन्होंने रोटेरियन्स को प्रेरित करते हुए सेवा कार्यों में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। मुख्य अतिथि पीडीजी पूर्णा ने रोटरी में प्रभावी नेतृत्व के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सदस्य संख्या बढ़ाने के विभिन्न तरीकों की जानकारी दी। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों को रोटरी से जोड़ने की दिशा में प्रयास करने पर जोर दिया। कार्यक्रम में एजी हिमी कुशाल एवं डीसी विशाल कुशाल सहित विभिन्न रोटरी क्लबों के पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे। रोटेरियन्स ने विचार-विमर्श कर अनुभव साझा किए।

कार्यक्रम में सर्विस अबोव सेल्फ की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया गया।

रोटरी क्लब के कार्यक्रम में नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए।

एशियन वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में भाग लेने प्रताप स्कूल की तमन्ना उज्बेकिस्तान रवाना

खरखौदा। प्रताप स्कूल, खरखौदा की प्रतिभाशाली वेटलिफ्टर तमन्ना भारत का प्रतिनिधित्व करने एवं एशियन यूथ एवं जूनियर वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में भाग लेने गई हैं। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता ताशकंद, उज्बेकिस्तान में आयोजित की जा रही है। तमन्ना 69 किलोग्राम भार वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। तमन्ना के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करने पर प्रताप स्कूल परिवार में खुशी का माहौल है। विद्यालय प्रबंधन की ओर से द्रोणाचार्य अवॉर्डी एवं स्पोर्ट्स डायरेक्टर ओमप्रकाश दहिया, प्रिंसिपल दया दहिया तथा एकेडमिक डायरेक्टर डॉ. सुबोध दहिया ने तमन्ना को शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। द्रोणाचार्य अवॉर्डी ओमप्रकाश दहिया ने बताया कि तमन्ना 7 बार नेशनल मैडलिस्ट है। उसने कड़ी मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास के बल पर यह मुकाम हासिल किया है। प्रिंसिपल दया दहिया ने विश्वास जताया कि तमन्ना एशियन चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन कर सफलता हासिल करेगी। विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों, प्रशिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने तमन्ना को प्रतियोगिता के लिए हार्दिक शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद देते हुए उनके सफल प्रदर्शन की कामना की।

पंच कुंडीय महारुद्र यज्ञ में मंत्रोच्चारण के साथ डाली आहुति

■ गांव बिचपड़ी में प्रात: 8 बजे होगा गणेश पूजन और सायं 4 से 6 बजे तक हवन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

गांव बिचपड़ी में 5 कुंडीय महारुद्र यज्ञ आयोजित किया जा रहा है। गांव एवं समाज में सुख-समृद्धि की कामना के साथ 6 अगस्त से शुरू यह कार्यक्रम 12 अगस्त तक आयोजित होगा। मुख्य अतिथि दीनबन्धु सर छोटूराम विचार मंच के अध्यक्ष प्रदीप चहल ने कहा कि हमारी संस्कृति हमारी धरोहर है। इसका संरक्षण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। शनिवार को तीसरे दिन यज्ञ में संत-महात्माओं और श्रद्धालुओं ने मंत्रोच्चारण के साथ आहुतियां डाली। कार्यक्रम की रूपरेखा के अनुरूप रोजाना प्रातः 8 बजे गणेश पूजन और सायं 4 से 6 बजे तक 11 पंडितों द्वारा यज्ञ किया जा रहा है। यज्ञ में बाबा महावीर दास, बाबा श्रवण दास, बाबा बलराम दास, बाबा रामदास, बाबा मंगलदास, बाबा कृष्णा दास, दीनबन्धु सर छोटूराम विचार मंच के अध्यक्ष प्रदीप चहल, महावीर पूनिया, दारा सिंह, विकास, अमित चहल और रणबीर पन्नू सहित अन्य श्रद्धालुओं ने आहुतियां डाली। अंतिम दिन भंडारे का आयोजन होगा। भंडारा प्रातः 10 बजे आयोजित होगा।

वामन अवतार का भावपूर्ण प्रसंग सुनाया

■ श्रद्धालुओं को भक्ति विनम्रता और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

गीता विद्या मंदिर, गोहाना में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के अंतर्गत शनिवार को कथा वाचक आचार्य हेमंत कृष्ण द्वारा भगवान विष्णु के वामन अवतार का भावपूर्ण प्रसंग सुनाया गया। कथा वाचक ने कथा के माध्यम से भगवान वामन के अवतार का उद्देश्य, राजा बलि की भक्ति एवं समर्पण और भगवान के प्रति श्रद्धा का सुंदर वर्णन किया गया। प्रसंग ने श्रद्धालुओं को भक्ति, विनम्रता और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में यजमान के रूप में दीपक कपूर एवं उनकी पत्नी पायल ने श्रद्धापूर्वक भाग लिया। विधिवत पूजा-अर्चना कर कथा का श्रवण किया। इस अवसर पर गीता विद्या मंदिरा के प्रधानाचार्य अश्विनी कुमार सहित विद्यालय परिवार एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कथा के दौरान भजन-कीर्तन सेवातावरणभक्तिमय बना रहा।

गोहाना। कार्यक्रम में पूजा-अर्चना करते हुए श्रद्धालुगण। फोटो : हरिभूमि

नशामुक्ति का संदेश देकर छात्राओं ने जिला स्तरीय प्रतियोगिता में दिखाई प्रतिभा

हिंदू गर्ल्स कॉलेज की एनएसएस टीम ने नुक्कड़ नाटक में पाया दूसरा स्थान

■ विजेता टीम में हनी, दीया, गर्गी, रिया, काजल, मोनिका एवं वंदना शामिल रहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

हिंदू गर्ल्स कॉलेज, सोनीपत की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई ने जीवीएम गर्ल्स कॉलेज में आयोजित जिला स्तरीय एनएसएस नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान हासिल किया। टीम ने 'नशा मुक्ति' विषय पर प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से जागरूक किया। सशक्त संवाद, अभिनय और प्रस्तुति की निर्णायकों व दर्शकों ने सराहना की। विजेता टीम में हनी, दीया, गर्गी, रिया, काजल, मोनिका एवं वंदना शामिल रहीं। प्राचार्या डॉ. विपाशा अग्रवाल ने छात्राओं को बधाई देते हुए उनके समर्पण, अनुशासन और सामाजिक जागरूकता की सराहना की। उप-प्राचार्या डॉ. अनीता गोयल ने भी शुभकामनाएं दीं। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पूजा रंजन, डॉ. पूनम रानी एवं डॉ. नीलम के मार्गदर्शन में टीम ने यह उपलब्धि हासिल की। महाविद्यालय प्रबंधन ने पूरी टीम को बधाई दी।

सोनीपत। हिंदू गर्ल्स कॉलेज में विजेता छात्राओं के साथ प्राचार्या एवं अन्य। फोटो : हरिभूमि

डॉ. सोमनाथ सिंह ने ऑनलाइन माध्यम से प्रतिभागियों को सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ने का दिया संदेश

सोनीपत। गेटवे इंटरनेशनल स्कूल में दो दिवसीय यंग लीडर्स कॉन्क्लेव जीआईएस एमयूएन 6.0 'रीइमेजिनिंग ग्लोबल कोऑपरेशन' का भव्य शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि नेहा शर्मा, विशिष्ट अतिथि डॉ. सोमनाथ सिंह, मुख्य सलाहकार राहुल मेनन, डायरेक्टर जनरल कर्नल डॉ. अनिक गर्ग, दीप्ति गोयल, प्रधानाचार्य प्रेम ओझा, संयोजक मंजू अंतिल और समन्वयकों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। नेहा शर्मा ने कहा कि नेतृत्व पद नहीं, बल्कि जिम्मेदारी, संवेदनशीलता, सहयोग और विचारों को कार्यरूप देने की क्षमता है। उन्होंने विद्यार्थियों को तार्किक चिंतन, वक्तृत्व, वार्ता कौशल और टीमवर्क विकसित करने के लिए प्रेरित किया। डॉ. सोमनाथ सिंह ने ऑनलाइन माध्यम से प्रतिभागियों को सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। डॉ. अनिक गर्ग ने नेतृत्व, कूटनीति, स्पष्ट विचारों और दूसरों के दृष्टिकोण के सम्मान पर जोर दिया। महासचिव मिनाली खपरा और महानिदेशक दृश्या सिंह ने अतिथियों को पौधे भेंट किए। विभिन्न समितियों में अध्यक्ष और उपाध्यक्षों ने कार्यभार संभाला। इनमें गरिमा राजपाल, सोफी, आदित्य दास, एंजेल, रोनक कादियान, अयान फुतेला, जोया अरोड़ा, चाहत दहिया, लविशा जिंदल, सिद्धम गोयल, यशस्वी गोयल, प्रिसि, इशप्रीत सिंह लूथरा, जीनल, राहुल मेनन और अदिति मल्होत्रा शामिल रहे।

मिशन एडमिशन : महाविद्यालयों में कोर्स फीस में 30 प्रतिशत तक बढ़ोतरी से विद्यार्थियों को झटका

- फीस में बढ़ोतरी होने से विद्यार्थी महाविद्यालयों में दाखिला लेने से करने लगे किनारा, असमंजस की बनी स्थिति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। राजकीय महिला महाविद्यालय में हेल्प डेस्क पर दस्तावेजों का पंजीकरण करवाने पहुंची छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

जिलेभर के महाविद्यालयों में चल रही दाखिला प्रक्रिया के बीच नए शैक्षणिक सत्र के लिए इस वर्ष यूजी व पीजी कोर्स में 25 से 30 प्रतिशत फीस की बढ़ोतरी होने से विद्यार्थियों को बड़ा झटका लगा है। उच्चतर शिक्षा निदेशालय ने इस साल से प्रारंभ हो रहे नए शैक्षणिक सत्र में दाखिले लेने वाले विद्यार्थियों के लिए फीस बढ़ाकर उन पर आर्थिक बोझ बढ़ाने का काम किया है। यही कारण है कि यूजी कोर्स की दो चरणों की दाखिला प्रक्रिया पूर्ण होने के बावजूद विद्यार्थियों ने महाविद्यालयों में दाखिला लेने में खास रूचि नहीं दिखाई है। अधिकतर विद्यार्थी दाखिले से किनारा करते नजर आ रहे हैं, जिससे असमंजस की स्थिति बनी है। बता दें कि इस वर्ष सीबीएसई व हरियाणा शिक्षा बोर्ड से कक्षा 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले 21203 विद्यार्थियों के लिए जिले के 23 राजकीय, निजी व एडिड महाविद्यालयों में यूजी में प्रवेश के लिए 13500 से ज्यादा सीटें तय की गई हैं। अधिकतर महाविद्यालयों में दाखिले को लेकर विद्यार्थियों ने 85 से 90 प्रतिशत सीटों पर अपना ऑनलाइन पंजीकरण करवाया है। पहले निर्धारित सीटों पर कम आवेदन आने के चलते भी ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तिथि को तीन बार बढ़ाया गया था। इसके बाद जहां पहली मेरिट सूची के आधार पर करीब 40 से 45 प्रतिशत सीटों पर ही दाखिले हुए हैं। वहीं दूसरी मेरिट सूची के आधार पर आकड़ा बढ़कर मात्र 50 से 60 प्रतिशत तक ही पहुंच पाया है। ऐसे में अधिकतर महाविद्यालयों में फिलहाल 40 से 50 प्रतिशत सीटें यूजी कोर्स में रिक्त पड़ी हैं। दाखिला प्रक्रिया के दो चरण पूरे होने के बावजूद अधिकतर विद्यार्थियों ने दाखिला सुनिश्चित करने में खास दिलचस्पी नहीं दिखाई है। इसका सीधे तौर पर यूजी व पीजी कोर्स में इस साल फीस में करीब 30 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी होना माना जा रहा है। जहां पहले यूजी कोर्स के विद्यार्थियों को एक साल की फीस के तौर पर 3000 से 3500 रुपये वहन करने पड़ते थे, वहीं अब फीस बढ़ोतरी के बाद यह खर्च 5000 से 5500 रुपये तक पहुंच गया है।

काउंसलिंग प्रक्रिया से शेष सीटें भरने का लक्ष्य

निदेशालय के नए शेड्यूल के अनुसार महाविद्यालयों में 10 अगस्त सोमवार से 100 रुपये विलम्ब फीस के साथ ओपन काउंसलिंग प्रक्रिया प्रारंभ होने जा रही है। दाखिले के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए फिर से पंजीकरण पोर्टल ओपन किया जाएगा। ओपन काउंसलिंग के दौरान 10 से 16 अगस्त तक विद्यार्थी 100 रुपये के विलम्ब शुल्क के आधार पर दाखिला ले सकेंगे। इसके बाद विद्यार्थियों को 17 से 23 अगस्त तक प्रतिदिन 100 रुपये विलम्ब शुल्क वहन कर अपना दाखिला सुनिश्चित करना होगा। इस बीच महाविद्यालय प्रबंधकों को भी अब ओपन काउंसलिंग की मदद से सभी सीटों पर दाखिला सुनिश्चित करने उम्मीद बंधी है। इस बीच महाविद्यालय प्रबंधन का पूरा फोकस विद्यार्थियों से संपर्क कर शेष खाली सीटों को जल्द भरने पर रहेगा।

16 तक शुल्क भरकर विद्यार्थी ले सकते हैं दाखिला

निदेशालय ने नए शैक्षणिक सत्र में यूजी व पीजी कोर्स की फीस में थोड़ी बढ़ोतरी की है। महाविद्यालयों में यूजी कोर्स के तहत दो चरणों की दाखिला प्रक्रिया संपन्न हो चुकी है। अब शेष सीटों को भरने के लिए सोमवार से ओपन काउंसलिंग की जाएगी। दाखिले से वंचित विद्यार्थी अब सीधे तौर पर 100 रुपये विलम्ब शुल्क के साथ अपना दाखिला सुनिश्चित कर सकते हैं। यह छूट विद्यार्थियों को 16 अगस्त तक मुहैया करवाई गई है। साथ ही विद्यार्थियों की सुविधा के लिए महाविद्यालय में हेल्प डेस्क पर सेवाएं जारी हैं।

-डॉ. किरण सरोहा, प्राचार्य, राजकीय महिला महाविद्यालय, सोनीपत

बारिश ने खोली मरम्मत कार्यों की पोल, चिकित्सक की मेज व पंखों तक पहुंचा पानी

नागरिक अस्पताल पर 5.21 करोड़ खर्च फिजियोथेरेपी कक्ष की छत से टपका पानी

मरीजों की सुविधा के लिए भवन, फर्श, छत, शौचालयों व सड़कों की स्थिति सुधारने के लिए कुल राशि खर्च की जा रही, 90 % कार्य पूरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

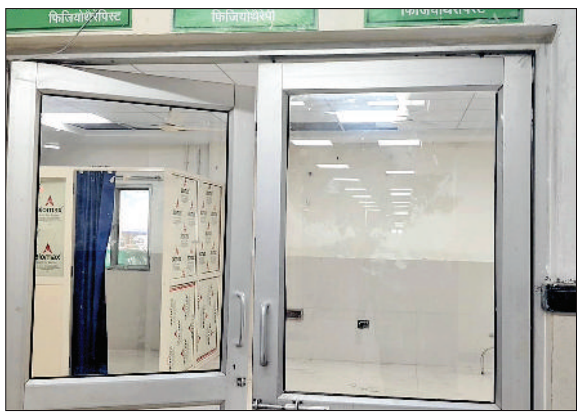
सोनीपत। फिजियोथेरेपी कक्ष में मरीजों की सीट पर छत से टपकता पानी।

नागरिक अस्पताल की कायाकल्प पर करीब 5.21 करोड़ रुपये की राशि खर्च की गई है। इसके बावजूद मानसून की थोड़ी बरसात ने ही अस्पताल प्रबंधन की परेशानी को बढ़ा दिया है। दो दिन की बारिश के बाद शनिवार को अस्पताल के फिजियोथेरेपी कक्ष की छत से पानी टपकता नजर आया। मामले में जिला सिविल सर्जन ने लोक निर्माण विभाग के एक्सईएन को स्थिति से अवगत कराने के लिए अस्पताल बुलाया है। बता दें कि अस्पताल में मरीजों व स्टाफ सदस्यों की सुविधा के लिए भवन, फर्श, छत, शौचालयों व सड़कों की स्थिति सुधारने के लिए कुल राशि खर्च की जा रही है। 90 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है, जबकि शेष कार्य अंतिम चरण में हैं। बता दें कि अस्पताल में करोड़ों रुपये खर्च कर करवाए गए मरम्मत कार्यों पर सवाल उठने लगे हैं। दो दिन हुई बारिश के बाद अस्पताल के फिजियोथेरेपी कक्ष की छत से पानी टपकने लगा। बारिश का पानी छत के रास्ते चिकित्सक की मेज, पंखों, जांच स्थल तक पहुंच गया। छत से पानी टपकने से कक्ष में पानी-पानी नजर आया। ऐसे में चिकित्सक के बैठने तक के लिए पर्याप्त जगह नहीं बची। गौरतलब है कि फिजियोथैरेपी कक्ष में लाखों रुपये की लागत से उपचार संबंधी मशीनें स्थापित करवाई गई थीं। हाल ही में मरम्मत कार्य के बाद यह कक्ष तैयार हुआ था, लेकिन बारिश के बाद छत से पानी टपकने व दीवारों पर सीलन आने से मरम्मत कार्य की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं। पानी पंखों तक पहुंचने से उनके गीला होने और धुआं निकलने की स्थिति भी सामने आई, जिससे मरीजों और चिकित्सकों में चिंता बनी रही।

जिले में ही मिलेगी एमआरआई की सुविधा

अस्पताल में जहां एक ओर अव्यवस्था का आलम है, वहीं इस बीच मरीजों के लिए खुशखबरी भी है। जिले के मरीजों को नागरिक अस्पताल में एमआरआई जांच की सुविधा मुहैया करवाने की तैयारी पर भी कार्य शुरू कर दिया गया है। मरीजों को जल्द यह सुविधा मिलने से रोहतक या अन्य बड़े शहरों की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। एमआरआई शुरू करने के लिए अस्पताल के कमरा नंबर-15 को खाली करवाकर फिजियोथैरेपी कक्ष को कमरा नंबर-48 में स्थानांतरित किया गया है। प्रबंधन की मानें तो एमआरआई सुविधा शुरू करने के लिए कक्ष नंबर-15 को खाली करवाकर फिजियोथैरेपी कक्ष को कमरा नंबर-48 में स्थानांतरित किया गया है, लेकिन अब नए स्थान पर पर्याप्त जगह नहीं होने के कारण फिजियोथेरेपी मशीनों के संचालन में दिक्कत आ रही है।

जल्द होगा समाधान

नागरिक अस्पताल में मरीजों की सुविधा के लिए जल्द एमआईआर कक्ष तैयार करवाया जाना है। इसी उद्देश्य से कक्ष नंबर 14 से फिजियोथैरेपी मशीन को कक्ष नंबर 48 में रखवाया गया है। साथ ही कक्ष नंबर 14 के टपकने की भी शिकायत मिली है। जिस पर लोक निर्माण विभाग के एक्सईएन को स्थिति से अवगत कराने के लिए बुलाया गया है, ताकि कमरा दुरुस्त होने के बाद यहां मरीजों के लिए एमआईआर की सुविधा की जा सके। इसके अलावा अगर फिजियोथैरेपी वाले कक्ष में कोई अव्यवस्था है, तो उसका भी जल्द समाधान करवाया जाएगा।

-डॉ. अनुराधा जैन, सिविल सर्जन, सोनीपत

बारिश में सीवरेज व्यवस्था की लापरवाही पर भड़के मेयर जैन, रात में बदली गई मोटर

- ककरोई रोड की बंद मोटर से शास्त्री कॉलोनी समेत कई क्षेत्रों में बनी थी सीवरेज जाम की समस्या

सोनीपत। बारिश के चलते जलनिकासी व्यवस्था का जायजा लेने निकले नगर निगम मेयर राजीव जैन ककरोई रोड पर पिछले एक सप्ताह से बंद अस्थाई मोटर को लेकर अधिकारियों पर भड़क उठे। उन्होंने आयुक्त हर्षित कुमार और कार्यकारी अभियंता राहुल पुनिया को कर्मचारियों की लापरवाही से अवगत कराते हुए तत्काल मोटर बदलने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने रात में ही 40 हॉर्स पावर की सबमर्सिबल मोटर मंगवाकर मैनहोल में डलवाई, जिसके बाद पानी की निकासी शुरू हो सकी। मेयर जब सेक्टर-23 डिस्पोजल पहुंचे तो वह ऊपर तक भरा मिला। जांच में सामने आया कि ककरोई रोड पर एक माह पहले लगाई गई अस्थाई मोटर एक सप्ताह से खराब थी। इससे शास्त्री कॉलोनी, मयूर विहार और प्रगति नगर में सीवरेज जाम की समस्या बनी हुई थी। इससे पहले उन्होंने शंभू दयाल डिस्पोजल, लहराड़ा रोड पर कच्ची गोंडी और खाटू श्याम मंदिर के पास डिस्पोजलों का निरीक्षण किया। ड्रेन नंबर-6 स्थित आईपीएस पर शनि मंदिर लाइन से कम पानी आने पर उन्होंने बाबा धाम के पीछे छोटे शनि मंदिर के सामने बंद जाली को साफ कराने के निर्देश दिए। राजीव जैन ने कहा कि बरसात में जलनिकासी को लेकर कोताही बर्दाश्त नहीं होगी। लापरवाही पर कार्रवाई होगी। उन्होंने स्वच्छता कर्मियों को नालों की सफाई पर भी जोर देने के निर्देश दिए।

न्यूज डायरी

रजत पदक विजेता मुस्कान का विधायक ने किया स्वागत

राई। जॉर्जिया के बटुमी शहर में आयोजित बटुमी अंतरराष्ट्रीय ओपन वुशू चैंपियनशिप-2026 में राई क्षेत्र की बेटी मुस्कान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीतकर देश, प्रदेश और क्षेत्र का नाम रोशन किया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिली इस उपलब्धि पर गांव में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया । जिसमें विधायक कृष्णा गहलावत , ग्रामीणों और खेल प्रेमियों ने मुस्कान, उसके माता-पिता और प्रशिक्षक को बधाई दी। इस अवसर पर रणजीत कोच, सत्यनारायण पाराशर, मुकेश पाराशर, कुलदीप नांगल पूर्व चेयरमैन, अंकित, कुलदीप ठेकेदार, नवाब प्रधान, राकेश दहिया, चंद्रभान, नाना पहलवान, सत्ते पाराशर, साहब सिंह, बलजीत मास्टर, विजयपाल, आजाद, प्रदीप मास्टर, जयप्रकाश, पवन दहिया, राजीव, राहुल, दलेल और अमन दहिया सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

रौनक स्कूल के 120 खिलाड़ी राज्य स्तर के लिए चयनित

गन्नौर। रौनक पब्लिक स्कूल के खिलाड़ियों ने स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यालय के करीब 400 खिलाड़ियों ने 19 खेलों में भाग लिया। इनमें से लगभग 120 खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए अपना स्थान पक्का किया। राज्य स्तर के लिए चयनित खिलाड़ियों में बॉक्सिंग के दो, ताइक्वांडो का एक, कबड्डी के तीन, खो-खो के दो, क्रिकेट के तीन, बेसबॉल के करीब 50, सॉफ्टबॉल के करीब 50, वॉलीबॉल के आठ, फेंसिंग के 12 तथा तीरंदाजी के सात खिलाड़ी शामिल हैं। प्रधानाचार्या रजनी शर्मा ने कहा कि यह उपलब्धि खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत, नियमित अभ्यास का परिणाम है।

मानव उत्थान सेवा समिति ने वितरित की शिक्षण सामग्री

गन्नौर। गन्नौर मंडी स्थित राजकीय प्राथमिक पाठशाला में शुक्रवार को मानव उत्थान सेवा समिति, सोनीपत की ओर से मिशन एजुकेशन के अंतर्गत बालवाटिका से पांचवीं कक्षा तक के 160 विद्यार्थियों को शिक्षण सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम में साध्वी सुतेष्टा, साध्वी अनंता , महात्मा रामदास सहित अन्य प्रेमी भक्त उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षण सामग्री वितरित करते हुए शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। साध्वी सुतेष्टा ने कहा कि जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा के लिए आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। शिक्षा बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखती है और उन्हें आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करती है। विद्यार्थियों ने कविताओं और विभिन्न गतिविधियों की प्रस्तुति देकर उपस्थित अतिथियों का मन मोह लिया। बच्चों की प्रतिभा और उत्साह देखकर कार्यक्रम में मौजूद अतिथियों ने उनकी सराहना की तथा उन्हें नियमित रूप से पढ़ाई करने और जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के मुख्य शिक्षक कृष्ण लाल ने समिति के पदाधिकारियों और संत-महात्माओं का इस पुनीत कार्य के लिए आभार व्यक्त किया। कहा कि ऐसे प्रयास समाज के लिए प्रेरणादायक हैं।

सफलता के लिए अपनी छिपी प्रतिभा को पहचानें : उधम

गोहाना। जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए सर्वप्रथम अपने अंदर छिपी हुई प्रतिभा को पहचानें और भाग्य पर अपनी ऊर्जा खर्च करने की बजाए प्रयासों पर ध्यान दें। ये विचार गांव कटवाल स्थित सरस्वती विद्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य उंधम सिंह वशिष्ठ ने व्यक्त किए। वे विद्यार्थियों को मेहनत के साथ आगे बढने के लिए प्रेरित कर रहे थे। उधम सिंह ने कहा कि खुद को समझना अर्थात अपनी स्वाभाविक खूबियों को पहचानना ही जीवन में पहली जीत होती है। इसलिए विद्यार्थी सबसे पहले अपनी काबिलियत को समझें और उसके बाद लक्ष्य निर्धारित कर उसे हासिल करने के लिए अपनी ऊर्जा खर्च करें।प्राचार्य उधम सिंह ने कहा कि स्वाभाविक रूचि की खोज, स्पष्ट लक्ष्य और मेहनत सफलता का मार्ग प्रशस्त करते हैं। विद्यार्थी अपना लक्ष्य स्पष्ट रखें और उसे हासिल करने के लिए पूरी ताकत झौंक दें। उन्होंने कहा कि व्यक्ति के सकारात्मक विचार उसकी सबसे बड़ी ताकत होते हैं। इसलिए ऐसे लोगों के साथ उठना-बैठना न करें जो नकारात्मक विचारों वाले हों।

दिवान फार्म में कांग्रेस की एसआइआर कार्यशाला

सोनीपत। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से शनिवार को बहालगढ़ रोड स्थित दिवान फार्म में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआरआइ) पर केंद्रित एक महत्वपूर्ण राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य आगामी राजनीतिक चुनौतियों के बीच पार्टी संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूती प्रदान करना और मतदाता सूचियों में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करना था।

कार्यशाला की अध्यक्षता हरियाणा कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी संजय दत्त और प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने संयुक्त रूप से की। कार्यक्रम का संचालन शहरी जिला अध्यक्ष कमल दिवान द्वारा किया गया। इसमें कांग्रेस के वरिष्ठ नेतृत्व, विधायक, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक और जिला अध्यक्षों सहित संगठन के विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों ने भाग लिया।

कार्यशाला के दौरान एसआइआर प्रक्रिया को लेकर कार्यकर्ताओं को व्यापक प्रशिक्षण दिया गया। नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कांग्रेसजनों को एसआईआर को लेकर पूरी तरह चौकन्ना रहने के निर्देश दिए हैं। हुड्डा ने बताया कि बैठक में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को नए वोट बनवाने और फर्जी वोटों को कटवाने की ट्रेनिंग दी गई है। कांग्रेस का मकसद स्पष्ट है कि फर्जी वोट बने ना और सही वोट काटे ना। इसके लिए प्रदेशभर में कांग्रेस के तमाम नेता, कार्यकर्ता व पूरा संगठन सक्रिय है।

सावन माह के दूसरे सोमवार 10 अगस्त को रखा जाएगा पहला प्रदोष व्रत, सुबह 8 बजे होगा शुरू

सोनीपत। सावन माह 11 अगस्त को मनाई जाने वाली महाशिवरात्रि को लेकर शहर के प्राचीन शिवालयों व मंदिरों में तैयारियों का दौर शुरू हो चुका है। शिव भक्त हरिद्वार, गंगोत्री व गोमुख से कांवड़ उठाकर अब अपने-अपने गंतव्य की ओर प्रस्थान करने लगे हैं। इस बीच सावन माह में पड़ने वाला पहला प्रदोष व्रत 10 अगस्त दूसरे सोमवार को रखा जाएगा। इस दिन सावन मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि व सोम प्रदोष व्रत का दुर्लभ संयोग बन रहा है। सूर्य-बुध से बुधादित्य योग और चंद्रमा-मंगल से महालक्ष्मी योग का निर्माण होगा। आचार्य डॉ. मनमोहन मिश्रा ने बताया कि सावन माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि 10 अगस्त को सुबह 8 बजे प्रारंभ होकर 11 अगस्त को सुबह 4:54 बजे संपन्न होगी। ऐसे में 10 अगस्त को प्रदोष व्रत रखा जाएगा। सोम प्रदोष की पूजा के लिए शुभ मुहूर्त शाम 7:09 बजे से रात 9:23 बजे तक रहेगा। ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4:49 बजे से सुबह 5:34 बजे तक रहेगा। इसके अलावा अभिजित मुहूर्त का समय दोपहर 12:18 बजे से दोपहर 1:09 बजे तक रहेगा।

संयुक्त मोर्चा के आह्वान पर बिजली कर्मचारियों ने खरखौदा कार्यालय में किया धरना-प्रदर्शन

खरखौदा। संयुक्त मोर्चा के आह्वान पर हरियाणा सब-यूनिट के कर्मचारियों ने शनिवार को खरखौदा बिजली कार्यालय के प्रांगण में लगातार तीसरे दिन धरना-प्रदर्शन किया। धरने में एएचपीसी वर्कर यूनियन, एचएसईबी वर्कर यूनियन और इंजीनियर एसोसिएशन से जुड़े कर्मचारियों एवं पदाधिकारियों ने भाग लिया। धरने की अध्यक्षता जितेंद्र, एपीएम यूनिट प्रधान, एएचपीजी वर्कर यूनियन ने की। जबकि मंच का संचालन अजीत सिंह कनिष्ठ अभियंता (एचवीपीएनएल), सब-यूनिट प्रधान, एएचपीसी वर्कर यूनियन ने किया। बताया गया है कि धरने पर सहायक फोरमैन संत लाल, अरुण,दीपक लाल, अजीत, पंकज, मनजीत, प्रवीण , दिनेश, रवि, अनिल, हरीश, मनोज, निखिल, अमित, संदीप, राजेश, सुरेश आदि मौजूद रहे। कर्मचारियों ने सरकार की कर्मचारी एवं जनविरोधी नीतियों के खिलाफ रोष जताया। कर्मचारियों ने एग्री डिस्कॉम किए जाने, कच्चे कर्मचारियों को पक्का नहीं करने, जोखिम भत्ता लागू नहीं करने, ऑनलाइन स्थानांतरण व्यवस्था, अंतर-उपयोगिता स्थानांतरण लागू नहीं करने तथा पुरानी पेंशन योजना लागू नहीं करने के विरोध में धरना दिया। धरने में 11, 12 और 13 अगस्त को पूर्ण हड़ताल करने का संकल्प लिया गया।

बजाना कलां में 1.13 करोड़ के कार्यों का उद्घाटन महिला जिम व पार्क-तालाब की मिली सौगात

गन्नौर। अपने पैतृक गांव बजाना कलां में शनिवार को हलका विधायक देवेंद्र कादियान ने महिलाओं को स्वास्थ्य सुविधाओं की सौगात दी। लगभग 18 लाख रुपए की लागत से तैयार महिला जिम का विधायक ने अपनी मां संतोष देवी के साथ फीता काटकर उद्घाटन किया। कार्यक्रम में विधायक ने महिलाओं से नियमित व्यायाम को दिनचर्या का हिस्सा बनाने का अपील की। विधायक कादियान ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही सकारात्मक और श्रेष्ठ विचारों का वास होता है। विधायक की मां संतोष देवी ने कहा कि महिला जिम की शुरुआत ग्रामीण महिलाओं के लिए उपयोगी कदम है। विधायक कादियान ने गांव में करीब 25 लाख रुपए की लागत से तैयार पार्क भी उद्घाटन किया। इसके अलावा 50 फीट ऊंचे पक्षी घर और 70.52 लाख रुपए की लागत से ढोकरी वाले तालाब के जीर्णोद्धार का काम पूरा होने पर नारियल फोड़कर लोकार्पण किया। इससे पहले ग्रामीणों ने विधायक देवेंद्र कादियान और उनकी मां संतोष देवी का फूलमालाओं से स्वागत किया। इस दौरान एसडीओ विपुल छौक्कर, जेई उमेश, सरपंच मेहर सिंह, प्रेम देवी, रामदे, ओमी देवी, मूर्ति देवी, चांद कौर, निर्मला, सुनीता, बाला देवी, कबूल, रणधीर, बिजेंदर, गुलाब, अजित, दुलीराम, नफेसिंह, धनसिंह पंडित आदि मौजूद रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 9653530209, 9253681005, 9253681010

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10×8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

तेज बारिश ने बढ़ाई राहगीरों की परेशानी

एनएच 44 पर टेहा में सर्विस लेन पर भरा पानी

एनएचएआई की ओर से बनाए गए नाले की निकासी ठप होने से सड़क पर जमा हुआ पानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

गन्नौर। सर्विस लेन पर भरे बरसात के पानी को निकालते हुए ।

नेशनल हाईवे-44 पर स्थित गांव टेहा की सर्विस लेन पर नाले की निकासी ठप होने से भारी जलभराव हो गया है। सड़क पर कई जगह पानी जमा होने के कारण वाहन चालकों और राहगीरों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जलभराव के कारण सड़क की स्थिति भी खराब हो रही है और दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। गांव के सरपंच आशीष त्यागी व ग्रामीणों के अनुसार, एनएचएआई की ओर से बनाए गए नाले की निकासी व्यवस्था सुचारु नहीं होने के कारण बारिश का पानी सर्विस लेन पर जमा हो रहा है। लंबे समय तक पानी खड़ा रहने से वाहन चालकों को पानी की गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता, जिससे दोपहिया वाहन चालकों के लिए विशेष परेशानी बनी हुई है। समस्या की जानकारी मिलने के बाद ग्राम पंचायत टेहा की टीम भी मौके पर पहुंची। पंचायत की ओर से जल निकासी करवाने का प्रयास किया गया, लेकिन नाले की स्थायी सफाई और निकासी व्यवस्था दुरुस्त किए बिना समस्या के पूरी तरह समाधान की उम्मीद नहीं है। सरपंच आशीष त्यागी और ग्रामीणों ने एनएचएआई अधिकारियों से नाले की तत्काल सफाई करवाने तथा जल निकासी की व्यवस्था को दुरुस्त करने की मांग की है। ताकि दोबारा बारिश होने पर सर्विस लेन पर जलभराव की समस्या दोबारा न बने।